Title: Need to set up growth centres at Nawada, Gaya and Aurangabad in Bihar- Laid.

डॉ. संजय पासवान (नवादा) : उपाध्यक्ष महोदय, बिहार प्रदेश के पुनर्गठन के बाद से शेा बचे बिहार में नाम मात्र का उद्योग रह गया है जबकि इन तमाम क्षेत्रों में कृाि पर आधारित उद्योगों एवं खाद्य प्रसंस्करण संबंधी उद्योगों की असीम सम्भावना है। मैं आपके माध्यम से उद्योग मंत्रालय से आग्रह करना चाहूंगा कि झारखंड प्रदेश से सटे सीमा पर अवस्थित कौवाकोल, गोविन्दपुर, रजौली, नवादा, फतेहपुर, गया, औरंगाबाद तथा डिहरी ऑन सोन जैसे स्थानों को चिन्हित करके उद्योग धन्धों का जाल बिछाया जाना चाहिए एवं इन स्थानों पर भारत सरकार के वर्तमान नीति के अनुसार तीन "ग्रोथ सैन्टर" यथा नवादा, गया एवं औरंगाबाद में अविलम्ब स्थापित किया जाना चाहिए।